मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 54 अंक 6 | प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
जून 2018 | बहाई वर्ष : 175

विश्व न्याय मन्दिर

प्रत्येक स्थान में – केवल समुदाय–समूह स्तर पर ही नहीं बल्कि पास–पड़ोसों और गांवों में भी –– व्यक्तियों का एक सतत व्यापक होता हुआ 'नाभिकीय बिंदु' तैयार करना और उनका साथ निभाना अपने आप में एक विकट चुनौती का कार्य भी है और महत्वपूर्ण रूप से आवश्यक भी। लेकिन जहां कहीं भी ऐसा हो रहा है वहां के परिणामों के लिये अधिक स्पष्टीकरण की आवश्यकता नहीं है।

–रिज़वान 2018

सिक्किम में स्प्रिंग स्कूल का आयोजन

सिक्किम में बहाई परिवारों और सिक्किम तथा दार्जिलिंग में रहने वाले युवाओं के लिए सरमसा में 28 से 30 अप्रैल 2018 तक बहाई स्प्रिंग स्कूल का आयोजन किया गया। इस स्प्रिंग स्कूल का आयोजन 15 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद इस वर्ष किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग सौ से अधिक मित्रों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की। कार्यक्रम समुदाय के आध्यात्मिक स्वास्थ्य पर केंद्रित था, जिसमें जीवन की चेतना, एक बहाई जीवन जीना और बहाई शिक्षा जैसे विषय शामिल थे। बहाई स्प्रिंग स्कूल के मुख्य वक्ता बंगलूरू के श्री बी अफशिन थे।

कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थनाओं के साथ हुई और श्री बी अफशिन द्वारा बहाई स्कूल, सरमसा के नये भवन का उद्घाटन किया गया।

श्री बी अफशिन द्वारा इस कार्यक्रम में जीवन की चेतना, एक बहाई जीवन जीना और बहाई शिक्षा जैसे विषयों पर बातचीत, संवाद सत्र और समूह अध्ययन का संचालन किया गया। पहले विषय ने चेतना और आत्मा की अवधारणा को गहराई से छुआ और संवाद सत्र के दौरान विभिन्न अनुयायियों के संदेहों को स्पष्ट किया गया।

दूसरे विषय में अनुयायियों को यह समझने में मदद मिली कि बहाई होना क्या है और कैसे पदार्थों के दुरुपयोग और अशोभनीय कार्यों से मुक्त हमारा जीवन शुद्ध और पवित्र होना चाहिए।

तीसरे विषय ने बच्चों की बहाई कक्षायें, किशोर समूह, स्टडी सर्कल और यहां तक कि भक्तिपरक बैठकों से शुरू होने वाली विभिन्न बहाई शिक्षा पर जोर दिया और बताया कि सब कुछ क्रम में रखने और संसाधन का प्रवाह बनाये रखने में स्टडी सर्कल एक इंजन की तरह काम करता है। बच्चों की आध्यात्मिक शिक्षा में माँ की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया।



सिक्किम में आयोजित स्प्रिंग स्कूल के प्रतिभागी

कोष शिक्षण और हुकूकुल्लाह जैसे अन्य विषयों के बारे में परिषद के कोषाध्यक्ष और दार्जिलिंग के हुकूकुल्लाह प्रतिनिधि ने बताया। इसके अलावा, रिज़वान का उत्सव हर्षोल्लास के माहौल में मनाया गया, जिसमें युवाओं, वयस्कों और बहाई स्कूल के छात्रों ने बहाई गीत और नृत्य प्रस्तुत किये। कार्यक्रम पूर्णरूप से आत्मनिर्भर रहा।

इस अंक में

राष्ट्रीय बहाई अधिवेशन का संदेश

परमप्रिय विश्व न्याय मंदिर,

हमें यह सूचित करते हुये हर्ष हो रहा है कि राष्ट्रीय अधिवेशन बहाई उपासना मंदिर के प्रांगण में नवनिर्मित शिक्षा केन्द्र में 25 से 27 मई 2018 को सलाहकार श्री दृगपाल सिंह, 5 सहायक मंडल सदस्यों और 60 पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में हुआ। भारत के बहाइयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के चुनाव के अपने पावन दायित्व को पूरा करने के लिये 68 प्रतिनिधि एकत्र हुये। बहाउल्लाह के प्रेम से प्रदीप्त सभी उपस्थित लोग अपना प्रेम भेजते हैं।

राष्ट्रीय अधिवेशन सलाहकार श्री दृगपाल सिंह द्वारा बारहवें अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन के सम्बन्ध में बतलाये जाने के साथ आरम्भ हुआ जब उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन से प्राप्त अन्तर्दृष्टि और प्रेरक सूचनायें साझा कीं। मित्रों ने इसके बाद रिज़वान–2018 के संदेश को पढ़ा, जिस दौरान प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा किये। इस गम्भीर विचार–विमर्श की कुछ प्रमुख बातों में शामिल हैं – इस बात की अनुभूति कि किस प्रकार बहाई समुदाय ने अपने मित्रों और परिचितों के साथ बहाउल्लाह के जीवन और उद्देश्य के सम्बन्ध में अर्थपूर्ण बातचीत करना सीख लिया है। यह सुनिश्चित करने के लिये कि द्विशताब्दी समारोहों के दौरान जिन मित्रों तक पहुँचा जा सका था उनको धैर्य और प्रेमपूर्वक सम्पोषित करने में प्रशिक्षण संस्थान मंडलों द्वारा पाई गई उच्च स्तरीय कार्यविधि और उनकी भूमिका। ऐसे अनुभव भी साझा किये गये कि किस प्रकार क्षेत्रीय बहाई परिषदों ने प्रशिक्षण संस्थान मंडलों के साथ सामंजस्य बनाये रखने में प्रमुख भूमिका निबाही और 'टीम' के गठन में सहयोग प्रदान किया, जो टीमें प्रत्येक मूल गतिविधि पर अपना ध्यान केन्द्रित करेंगी। किस प्रकार स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं की संख्या बढ़ी, इस सम्बन्ध की सीखें भी साझा की गईं। बड़ी संख्या में आयोजित की जाने वाली प्रार्थना सभाओं को बनाये रखने में समुदाय विकास सहयोगियों और सहायक मण्डल सदस्यों के साथ समन्वय की योजना की भूमिका की चर्चा भी की गई। एक बड़ी सीख जो प्राप्त की गई वह थी कि किस प्रकार एक परिवार पायनीयर के रूप में अपनी सेवा देने के लिये आगे आया और गाँव में जाकर एक परिवार के साथ बस गया। प्रातःकालीन प्रार्थना सभायें सामुदायिक जीवन तथा गतिविधियों के स्तर को उन्नत कर रही हैं। परिवारों के समूह के निर्माण की कार्यविधि और आध्यात्मिक सत्य के सम्बन्ध में विचार–विमर्श से सम्बन्धित अनुभव भी अधिवेशन के दौरान साझा किये गये।

विश्व न्याय मंदिर द्वारा तैयार की गई लघु फिल्म – *"एक फैलता हुआ दायरा"* ने प्रतिनिधियों पर गहरा प्रभाव डाला। पूरी दुनिया के लोगों ने इस फिल्म में बहाउल्लाह के लिये अपने प्रेम की बातें कीं और यह प्रेम अपने कार्यों के माध्यम से व्यक्त करते हुये यह दिखलाया कि किस प्रकार योजना के विभिन्न कार्यक्रमों को स्थायी रूप से व्यावहारिक अमली जामा पहनाया जा रहा है।

समुदायसमूहों की गतिशीलता से सम्बन्धित परामर्श भी एक महत्वपूर्ण विषय था जिस पर अधिवेशन के दौरान बल दिया गया। राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में समुदाय की समृद्धि और शक्ति और चुनौतियों का सामना करने तथा उनका सार्थक उपयोग करने की बात भी सामने आई। मूल गतिविधियों और उनके प्रतिभागियों की संख्या, वैसे समुदायसमूहों की संख्या जो पिछली योजना से अब तक मील के दूसरे पत्थर से तीसरे पत्थर की ओर बढ़े

शेष पृष्ठ 4 पर

राजस्थान में समर कैंप का आयोजन

राजस्थान के राज्य प्रशिक्षण संस्थान द्वारा सात दिवसीय समर कैंप का आयोजन बापू नगर स्थित बहाई भवन में 21 से 27 मई तक किया गया। कैम्प में सांगानेर, जगतपुरा, वाटिका व शिवदासपुरा के करीब 25–30 युवाओं ने भाग लिया। जहां युवाओं ने रूही संस्थान



समर कैंप में भाग लेने वाले प्रतिभागी

द्वारा दी गई रूही पुस्तकों जैसे 'प्रभुधर्म का शिक्षण, सेवा के पथ पर साथ–साथ चलना व जीवंत समुदायों का निर्माण' आदि पुस्तकों का अध्ययन किया। 'समाज में नई जागृति व नवचेतना का संचार करेंगे व एक नये समाज का निर्माण करेंगे' यह कहना है सात दिवसीय समर कैम्प में आये युवाओं का, इन युवाओं ने कैम्प के माध्यम से स्वयं को आध्यत्मिक व नैतिक रुप से मजबूत बनाने के लिए विभिन्न पाठयक्रमों का अध्ययन किया।

युवाओं को चुस्त–दुरस्त रखने के लिए प्रतिदिन विभिन्न खेलों का भी आयोजन किया गया। मानसिक व्यायाम के साथ–साथ शारीरिक व्यायाम भी अति आवश्यक है जिससे हमारे शरीर में नव–ऊर्जा का संचार होता है। प्रतिदिन सुबह–शाम भक्तिपरक सभाओं का भी आयोजन किया गया।

समर कैम्प के माध्यम से युवा अपनी विभिन्न क्षमताओं को उजागर करते हुए एक बेहतर समुदाय के निर्माण में अपना योगदान दे पाएंगे।

समापन समारोह के दौरान डॉ. नेजात हगीगत ने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने–अपने समुदायों में जाकर सीखी गई बातों से अपने समुदाय को बेहतर बनाने के लिए प्रयास करें। किस प्रकार इस पथ पर हमें अकेले न चलकर सभी के साथ चलना है और इस समुदाय को बेहतर बनाना है। समारोह में प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र भी प्रदान किये गये।

मणिपुर में हुकूकुल्लाह सम्मेलन का आयोजन

क्षेत्रीय बहाई परिषद मणिपुर एवं मिजोरम द्वारा 20 मई 2018 को बहाई भवन में हुकूकुल्लाह पर एक दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सम्मेलन की शुरूआत प्रार्थनाओं से हुई। उसके उपरान्त परिषद के अध्यक्ष ने उपस्थित मित्रों का स्वागत किया और कार्यक्रम के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में सहायक मण्डल



हुकूकुल्लाह सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागी

सदस्यों, परिषद के सदस्यों, स्थानीय आध्यात्मिक सभा के सदस्यों और बच्चों सहित 55 मित्रगण उपस्थित रहे। पूर्वोत्तर क्षेत्र के चार प्रतिनिधियों ने परामर्श के दौरान अपनी सहायता प्रदान की।

विश्व न्याय मन्दिर के पूर्व सदस्य डॉ. फिरायदौन यवहेरी द्वारा लिखित 12 अध्यायों में से पहले और दूसरे का अध्ययन किया गया। हुकूकुल्लाह के विषय पर गहन परामर्श किया गया–किसी के धन के किस हिस्से का भुगतान किया जाना चाहिए, भुगतान करने वालों के लिए ईश्वर क्या करेगा, हुकूकुल्लाह कौन दे सकता है, हुकूकुल्लाह का विधान कब प्रकट किया गया था और ईश्वर की दृष्टि में हुकूकुल्लाह का भुगतान कब स्वीकार्य है।

हाजी अमीन की एक कहानी ने भी प्रतिभागियों को बहुत प्रेरित किया। युवाओं और वयस्कों ने महसूस किया कि वे अपने खर्चों में कटौती करके अपनी बचत चाहे वह कितनी ही कम क्यों न हो, उससे भी ईश्वर के अधिकार के हिस्से की गणना कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित मित्रों को, धर्मभुजा डॉ. अली मुहम्मद वर्गा के व्याख्यान का वीडियो देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

नई दिल्ली में अन्तर्धर्म सम्मेलन का आयोजन

नई दिल्ली के विश्व युवक केन्द्र में पिछले महीने आयोजित एक अन्तर्धर्म सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए श्रीमती माथा अख्तरखावरी ने बहाई धर्म की शिक्षाओं के माध्यम से शांति और 'सर्वधर्म सद्भाव' की चर्चा विस्तार से की और मानवजाति के इतिहास के संदर्भ में अब तक की यात्रा का सुंदर रेखाचित्र प्रस्तुत किया। "जैसे–जैसे मानव विकसित होता गया वैसे–वैसे ही उसका समाज भी विकसित होता चला गया। मानवजाति शैशवावस्था से किशोरावस्था और उसके बाद यौवनावस्था की दहलीज पार करते हुए आज परिपक्व अवस्था में पहुँच रही है। हमारे बीच आज जो विध्वंस, मतभेद और युद्ध की स्थिति बनी हुई है वह विकास के उस चरण की पीड़ा है जिसे हम पीछे छोड़ आये हैं और आज अगर हम विश्व–शांति की बातें करने लगे हैं तो हमारी परिपक्वता की अवस्था का सूचक है"–श्रीमती अख्तरख़ावरी ने कहा।

सभी धर्म एक ही प्रेरणा से धरती पर स्थापित किये गये हैं, इस बात की चर्चा करते हुए श्रीमती अख्तरख़ावरी ने दिल्ली के बहाई उपासना मंदिर की चर्चा की और कहा कि यह एक ऐसा मंदिर है जहाँ सभी धर्मों के ग्रंथ से पाठ किये जाते हैं और जहाँ सभी धर्मों के लोग साथ–साथ बैठकर ईश्वर का स्मरण करते हैं। उन्होंने कहा कि आज ज़रूरत है शांति और सद्भावपूर्ण सम्वाद की और इस कार्य को युवाओं द्वारा बड़ी आसानी से सम्पादित किया जा सकता है। वे इस पावन कर्तव्य का पालन अपने इर्द–गिर्द के समुदाय से कर सकते हैं। उन्होंने उन अनगिनत एक सुंदर, समरसतापूर्ण और शांति तथा परस्पर प्रेम से भरे माहौल में देखने को मिलता है।



अंतर्धर्म सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागी

बहाई युवाओं के साथ अपने अनुभव बतलाते हुये कहा कि बहाई युवा ने जो कुछ भी सीखा है, बहाई शिक्षाओं को जितना कुछ जाना है, वे समाज के तृणमूल स्तर पर उसे लागू कर रहे हैं जिसका परिणाम

सम्मेलन का आयोजन विश्व युवक केन्द्र और "टेम्पल ऑफ अंडरस्टैंडिंग, इण्डिया फाउण्डेशन" द्वारा किया गया, जिसमें अधिकांशतः युवाओं ने प्रतिभागिता दर्ज़ की।

बहाई विवाह



सुश्री किमबर्ली गार्डन और श्री कुद्दुस डोडवंद का विवाह 28 अप्रैल, 2018 को महाराष्ट्र के पुणे में बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



श्री गणेश शिवाले और सुश्री मोनाली बाविस्कार का विवाह 1 मई, 2018 को महाराष्ट्र के मालेगांव में बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।

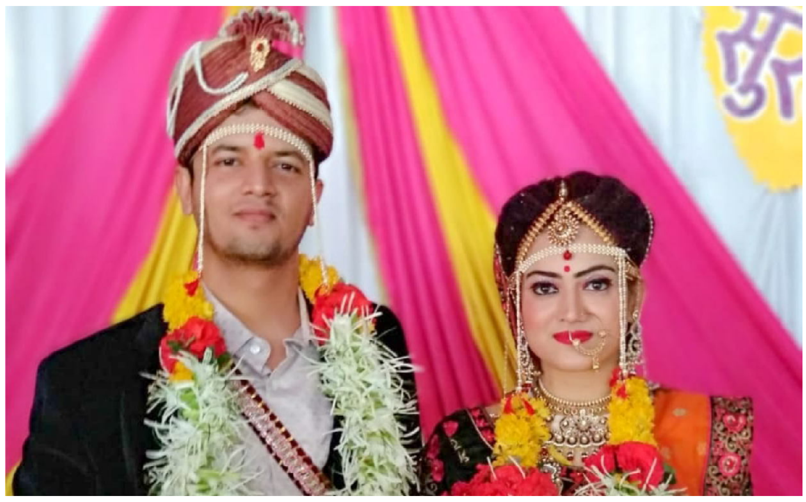


सुश्री पापोरी डेका और श्री रमेश प्रजापति का विवाह 1 मई, 2018 को महाराष्ट्र के उल्लासनगर में बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



श्री स्वप्निल कुंभहार और सुश्री पल्लवी कुंभहार का विवाह 7 मई, 2018 को महाराष्ट्र के सातारा में बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।

बहाई विवाह



श्री सूरज मोतीवाला और सुश्री पूजा पाटिल का विवाह 13 मई, 2018 को महाराष्ट्र के नाशिक में बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



श्री कम्पनी कुमार और सुश्री प्रियंका कुमारी का विवाह 4 मई, 2018 को बिहार के खगड़िया क्लस्टर में बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।

महिला सशक्तिकरण और आर्थिक ढ़ांचों के परिवर्तन पर एक बैठक का आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भारत के बहाइयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के जन–मामलों के कार्यालय ने बहाई उपासना मन्दिर के सूचना केन्द्र में 'महिला सशक्तिकरण और आर्थिक ढाँचों के परिवर्तन पर एक गोलमेल बैठक का आयोजन किया।

इस बैठक में महिला सशक्ति–करण के लिये काम करने वाले विभिन्न संगठनों के तीस प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण में बाधा डालने वाली चुनौतियों की पहचान करना और उनको नियंत्रित करने के संभावित समाधान खोजना था।

संवाद में इस बात पर बल दिया गया कि परोपकारिता, पारस्परिक और परस्पर सहायता का मूल्य अधिक से अधिक प्रासंगिक हो रहा है लेकिन चुनौती यह है कि आर्थिक संरचनाओं में इसे स्थान नहीं दिया जाता है। इसलिए कई संरचनायें जो महिलाओं की उन्नति और प्रगति पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं उनमें से आर्थिक संरचना एक प्रमुख चुनौती है।

इस कार्यक्रम के वक्ताओं में सरोजनी नायडू सेंटर फॉर वुमनस स्टडीज की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुरैया तबस्सुम और ऑल इंडिया वुमनस एजुकेशन फंड एसोशिएशन की अध्यक्ष डॉ. आशा चन्द्रा शामिल थी।



बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी विचार–विमर्श करते हुए

कुछ प्रश्नों पर चर्चा की गई कि कैसे महिलाएं और पुरूष आर्थिक गतिविधि में ऐसे तरीके से जुड़ सकते हैं जो न्यायसंगत हों ? वे नई आर्थिक संरचनाओं और प्रक्रियाओं के निर्माण में कैसे योगदान दे सकते हैं जो प्रतिस्पर्धा और शोषण के बजाय सहयोग और पारस्परिक सहायता जैसे मूल्यों को प्रतिबिंबित करते हैं।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 | Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
New Delhi P.S.O. | Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2018-19-20

राष्ट्रीय बहाई अधिवेशन का संदेश

पृष्ठ 1 का शेष

हैं जैसी शक्तियों की चर्चा भी की गई। ट्यूटर की संख्या को बढ़ाने, चुनावों में अनुयायियों की प्रतिभागिता को बढ़ाने और रिपोर्ट साझा करने की चुनौतियों की चर्चा भी हुई।

अधिवेशन के दौरान इस बात पर बल दिया गया कि हम अपने लक्ष्य बाब के द्विशताब्दी जन्मोत्सव तक प्राप्त कर लें और 2021 तक इंतज़ार न करें। बातचीत इस विषय पर भी हुई कि बाब का द्विशताब्दी जन्मोत्सव किस प्रकार मनाया जाये।

वित्तीय रिपोर्ट पेश किये जाने के बाद मित्रों ने इस बात का वचन दिया कि कोष के प्रति सब की सहभागिता और आत्मनिर्भरता के लिये वे अधिक–से–अधिक प्रयास करेंगे, ख़ासकर बहाई उपासना मंदिर को आर्थिक मामलों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में।

एक सत्र समुदाय के आध्यात्मिक स्वास्थ्य पर भी था, जब इस बात की चर्चा की गई कि पूरे देश में किस प्रकार युवाओं द्वारा अपनी बहाई पहचान बनाई रखी जा सकती है।

हुकूकुल्लाह, ईश्वर का शक्तिशाली विधान, की भी चर्चा हुई। चर्चा में प्रमुख रूप से इस शक्तिशाली विधान को वर्तमान पाँच वर्षीय योजना से जोड़ने पर बातें की गईं।

मित्रों ने नवनिर्मित शिक्षा केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं की प्रशंसा की।

ईरान और यमन के मित्रों के लिये विशेष प्रार्थनायें की गईं।

अधिवेशन के दूसरे दिन निम्नांकित व्यक्ति राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित किये गये :

ए. के मर्चेंट
नाज़नीन रौहानी
नेसन ओल्याई
लतीफ रशीद
मंगेश तेली
पी. के. प्रेमराजन
जीना सोराबजी
आर. एस. यादव
अनिल सरवाल

हम पवित्र समाधियों पर याचना करते हैं कि भारतीय बहाई समुदाय के इस विशाल साहसिक कार्य को सफलता मिले।

राष्ट्रीय बहाई अधिवेशन



भोपाल बहाई भवन में बाब का घोषणा दिवस बड़े ही धूमधाम व हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आरम्भ कई समूह गान प्रार्थनाओ व भजनों के साथ किया गया, तत्पश्चात विभिन्न धर्मों में प्रभु अवतरण की भविष्यवाणियों पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। बाब की महान घोषणा के बारे में एक वक्तव्य भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में कई रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये, इसमें लगभग 55 से 60 मित्रों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की।

झारखण्ड में आयोजित गतिविधियाँ

• जमशेदपुर स्थित बहाई केंद्र में 15 से 19 अप्रैल 2018 तक रूही पुस्तक–7 'सेवा के पथ पर साथ–साथ चलना' का अभियान गहन विचार–विमर्श के परिधान में सम्पन हुआ। इस अभियान में जमशेदपुर, आसनबनी, पटमदा, मानगो, क्लस्टरों से कुल 11 मित्रों ने भाग लिया। इस अभियान में श्रीमती उमा दलाई एवं श्री रतन महतो ने सह–शिक्षक के रूप में अपनी सेवायें प्रदान कीं। इस अभियान में मित्रगण पुस्तक–7 के विभिन्न उद्देश्यों से परिचित हुए। मित्रों ने 'स्थानीय स्तर पर कलाओं को बढ़ावा देने' की अवधारणा को समझते हुए अपनी कलायें अब्दुल–बहा, कमल मंदिर, तथा अन्य प्रकार की चित्रकारी प्रस्तुत करके, गीत संगीत की प्रस्तुति करके कलाओं को बढ़ावा दिया। इस बीच मित्रों ने पुस्तक एक और दो के अंशों का भी अध्ययन किया। हालांकि इस बीच पुस्तक के पूरे भाग का अध्ययन समाप्त नहीं हो पाया, लेकिन इसकी समाप्ति के लिए एक अतिरिक्त दिन रखा गया, जिसमें मित्र उपस्थित होकर अपने बचे हुए भागों को पूरा करेंगे।



रूही पुस्तक–7 का अध्ययन करने वाले प्रतिभागी

• पटमदा स्थित कुम्हिर समुदाय में 29 अप्रैल 2018 को 10 मित्रों के साथ पुस्तक–1 का अध्ययन पूर्ण किया गया। इस अध्ययनवृत्त कक्षा में सह–शिक्षक के रूप में श्री रतन महतो ने अपनी सेवायें प्रदान कीं। पुस्तक के अध्ययन के दौरान मित्रगण बहाई पवित्र लेखों का दैनिक जीवन में महत्व, प्रार्थना का महत्व और जीवन मृत्यु की अवधारणा से परिचित हुए। अध्ययन की समाप्ति के उपरांत सेवा कार्य को समझते हुए 8 मित्रों ने अपने घरों में भक्तिपरक सभाओं का आयोजन किया।



रूही पुस्तक–1 का अध्ययन करने वाले प्रतिभागी

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2018-19-20
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.6. 2018
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)